



लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

INDIA HAS ALWAYS GIVEN MESSAGE OF PEACE AND NON-VIOLENCE TO THE WORLD: LOK SABHA SPEAKER/भारत ने वश्व को सदैव शांति और अहिंसा का संदेश दिया है: लोक सभा अध्यक्ष

...

PEACE IS THE ONLY SOLUTION TO GLOBAL CONFLICTS AND WAY TO GLOBAL PROGRESS: LOK SABHA SPEAKER/शांति ही वैश्विक संघर्षों का एकमात्र समाधान और वैश्विक प्रगति का मार्ग है: लोक सभा अध्यक्ष

...

TEACHINGS OF LORD MAHAVIR ARE VERY MUCH RELEVANT IN THE PRESENT GLOBAL ORDER: LOK SABHA SPEAKER/भगवान महावीर की शिक्षाएं आज भी दुनिया में प्रासंगिक हैं: लोक सभा अध्यक्ष

...

JAIN MONKS ARE CULTURAL AMBASSADORS OF INDIA IN THE WORLD: LOK SABHA SPEAKER/जैन मुनि वश्व में भारत के सांस्कृतिक राजदूत हैं: लोक सभा अध्यक्ष

...

LOK SABHA SPEAKER PARTICIPATES IN KSHAMAVANI PROGRAMME ORGANISED BY JAIN MANDAL IN MUMBAI/लोक सभा अध्यक्ष ने मुंबई में जैन महामंडल द्वारा आयोजित क्षमावाणी कार्यक्रम में भाग लिया

...

Mumbai/New Delhi; 22 September, 2024: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla participated in the Kshamavani programme organised by Jain Mandal in Mumbai, today.

Speaking on this occasion, Lok Sabha Speaker expressed happiness to be blessed by the Jain monks. The Jain monks have devoted their lives for the betterment of the society and for our collective welfare, noted Shri Birla. Their teachings take both individual and society from darkness to light, on the path of truth, non-violence and detachment, he added.

Expressing gladness that the Bharatiya Jain Mandal has been working tirelessly to spread the messages of Lord Mahavir throughout India and outside, Shri Birla observed that Jain monks are cultural ambassadors of India in the world. Their contributions towards nation building and societal progress and invaluable, he added.

Referring to the recent global situation of incidents of violence in different parts of the world, Shri Birla felt that the teachings of Lord Mahavir, which preach for non-violence, are very much relevant in the present global order. His teachings will take the world on the path of global peace, he added. Mentioning that India has always given the messages of peace and non-violence, he was of the view that peace is the only solution to global conflicts and the way to global progress. He urged the humanity to imbibe the teachings of Lord Mahavir and his messages of patience, perseverance and non-violence. Individuals need to accept their limitations, understand others and practice empathy which will spiritualise both individuals and society, felt Shri Birla. Forgiveness benefits both individuals and societies, he added. He also stressed on preaching and practice satwik way of life.

Mentioning about Prime Minister's vision of 'Sabka Saath, Sabka Vikas' and the ideal of 'Vasudhaiva Kutumbakam' which was the agenda of G-20 Summit in the form of 'One Earth, One Family', Shri Birla emphasized that the Jain principles of life are in complete sync with that vision.

On this occasion, Shri Birla conferred awards on several eminent personalities for their excellent contributions in their respective fields.

मुंबई/नई दिल्ली; 22 सतंबर, 2024: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज मुंबई में जैन महामंडल द्वारा आयोजित क्षमावाणी कार्यक्रम में भाग लिया।

लोक सभा अध्यक्ष ने जैन मुनियों का सान्निध्य और आशीर्वाद प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि जैन मुनि समाज के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित करते आए हैं। श्री बिरला ने यह भी कहा कि संत-महात्माओं की शिक्षाएं व्यक्ति और समाज दोनों को अंधकार से प्रकाश की ओर तथा सत्य, अहिंसा और अपरिग्रह के मार्ग पर ले जाती हैं।

श्री बिरला ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि भारतीय जैन महामंडल भगवान महावीर के संदेश का देश-विदेश में प्रचार-प्रसार करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि जैन मुनि विश्व में भारत के सांस्कृतिक राजदूत हैं तथा राष्ट्र निर्माण और सामाजिक प्रगति में उनका अमूल्य योगदान रहा है।

विश्व के विभिन्न भागों में घटी हिंसा की घटनाओं से उत्पन्न स्थिति का उल्लेख करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि भगवान महावीर की अहिंसा की शिक्षा आज भी दुनिया में प्रासंगिक हैं और उनकी शिक्षाएं विश्व में शांति का मार्ग प्रशस्त करेंगी। अध्यक्ष महोदय ने यह भी कहा कि भारत ने विश्व को सदैव शांति और अहिंसा का संदेश दिया है और यह विश्वास व्यक्त किया कि शांति ही वैश्विक संघर्षों का एकमात्र समाधान और वैश्विक प्रगति का मार्ग है। श्री बिरला ने सभी से भगवान महावीर की शिक्षाओं तथा धैर्य, दृढ़ संकल्प और अहिंसा के उनके शाश्वत संदेशों को अपने जीवन में अपनाने का आग्रह किया और कहा कि व्यक्ति को अपनी कमियों को स्वीकार करते हुए दूसरों की बात समझनी चाहिए और उनके प्रति सहानुभूति रखनी चाहिए जिससे व्यक्ति के अंतर्मन और समाज दोनों में आध्यात्मिकता बढ़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि क्षमा करने से व्यक्ति और समाज दोनों को लाभ होता है। उन्होंने सात्विक जीवन शैली को अपनाने और इसका प्रचार-प्रसार करने पर भी जोर दिया।

प्रधान मंत्री द्वारा अभिव्यक्त 'सबका साथ, सबका विकास' के दृष्टिकोण और 'वसुधैव कुटुंबकम' के आदर्श, जिन्हें जी-20 शिखर सम्मेलन के एजेंडा-'एक पृथ्वी, एक परिवार' में शामिल किया गया था, का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि जैन सिद्धांत इसी जीवन दर्शन का मूर्त रूप हैं।

इस अवसर पर श्री बिरला ने प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें पुरस्कार प्रदान किए।

